अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

बावन बोल – 20

प्र.1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) द्रव्य जीव, भाव जीव कितने भाव? कितनी आत्मा तथा छह द्रव्यों में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(घ) दया, हिंसा कितने भाव? कितनी आत्मा तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ङ) धर्म–अधर्म कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) द्रव्य पुण्य छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) अठारह पाप स्थान का उदय नौ में कौन?

(ग) क्षायिक क्षायोपशमिक भाव आत्मा कितनी?

(घ) दूसरे, चौथे, पांचवे गुणस्थान में आश्रव के बोल कितने पाते हैं?

(ङ) पाँच शरीर चतुस्पर्शी या अष्टस्पर्शी?

(च) मूल गुण व उत्तर गुण आत्मा कौन–कौन सी है?

इक्कीस द्वार – 25

प्र.3 कोई चार बोल पूरे लिखें – 20

(क) कृष्णलेश्यी (ख) मनःयोगी (ग) तेजस काय (घ) सामायिक संयति

(ङ) चतुरिन्द्रिय (च) तिर्यंच स्त्री।

प्र.4 कितने व कौन से पाते हैं? एक या दो शब्दों में उत्तर दें (कोई पांच) 5

(क) सूक्ष्म सम्पराय संयति में – जीव के भेद, दृष्टि और लेश्या।

(ख) अचरम में – उपयोग और आत्मा

(ग) अपर्याप्त में – गुणस्थान और योग। (घ) केवल दर्शनी में – जीव का भेद और भाव।

(ङ) सम्यकमिथ्यादृष्टि में – योग और वीर्य। (च) अलेश्यी में – गुणस्थान और योग।

(छ) क्रोध कषायी में – उपयोग और गुणस्थान।

जैन तत्त्वप्रवेश : द्वितीय व तृतीय खण्ड – 30

प्र.5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 5

(क) धर्म किसे कहते हैं? (ख) दान के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें।

(ग) जो सम्यग्दृष्टि व्रती नहीं होता उसका कौन सा गुणस्थान है? नाम लिखें।

(घ) पाँचवी प्रतिमा का नाम क्या है? (ङ) निर्ग्रन्थ के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें।

(च) तीन इन्द्रिय वाले जीवों में प्राण व शरीर कितने? (छ)संवर छह में कौन? नौ में कौन?

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) सम्यक्त्व के लक्षण अर्थ सहित लिखें।

(ख) निवृत्ति बादर, क्षीण मोह, अयोगी केवली गुणस्थानों को समझाये?

(ग) प्रमाण किसे कहते हैं? प्रत्यक्ष की व्याख्या करते हुए उसके भेद–प्रभेद लिखें?

(घ) श्रावक के तीन मनोरथ कौन–कौन से हैं?

(ङ) नय के कितने प्रकार हैं? उनके भेद–प्रभेद लिखें।

(च) आगम किसे कहते हैं? मूल, छेद व आवश्यक सूत्र के नाम लिखें?

(छ) दो इन्द्रिय वाले जीवों में शरीर योग, उपयोग कितने व कौन से पाते हैं?

प्र.7 कोई दो द्वार लिखें। 10

(क) पुण्य पाप द्वार (ख) श्रावक गुण द्वार

(ग) उपासक (श्रावक) प्रतिमा द्वार में प्रथम पांच प्रतिमा व्याख्या सहित लिखें।

(घ) प्रश्नोत्तर द्वार में तीन इन्द्रिय वाले जीवों के नाम लिखते हुए उनकी गति, जाति आदि की पूरी पृच्छा लिखें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 25

प्र.8 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 9

(क) प्राण किस कर्म का उदय? (ख) देवता में दण्डक कौन–कौन से?

(ग) तीन काय किसमें? (घ) तुम्हारे में ध्यान कितने? (ड.) सिद्धों में उपयोग कितने?

(च) सात कर्म किसमें? (छ) हाथी, घोड़ा, पक्षी आदि तिर्यंच पंचेन्द्रिय संज्ञी या असंज्ञी?

(ज) लेखन, कागद, लकड़ी की पट्टी आदि छह में कौन? नौ में कौन?

(झ) तीन गुप्ति छह में कौन? नौ में कौन? (ञ) प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं?

(ट) पुद्गल गुण से क्या है? (ठ) किस उपयोग के जीव कम, किस उपयोग के जीव अधिक?

प्र.9 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 16

(क) जैन तत्त्व प्रवेश का सावद्य–निरवद्य द्वार लिखें? (ख) वंदना सूत्र लिखें।

(ग) पच्चीस बोल की चतुर्भंगी में तीसरे बोल की चतुर्भंगी लिखें।

(घ) सत्तरहवाँ बोल लेश्या छह की चर्चा लिखें।

(ड.) पच्चीस बाल की चर्चा का दसवाँ बोल (कर्म आठ) लिखें?

(च) दर्शनावरणीय कर्म का लक्षण, कार्य व गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(छ) स्थावर दशक की प्रकृतियों का नामोल्लेख करें।